आप मासूम बच्चों को धर्म की घुट्टी क्यों पिला रहे हैं

Written by शीतल पी सिंह
Thursday, 21 June 2018 14:02

: वंदना हो ही क्यों ? बच्चे तो स्वयं भगवान की प्रतिमूर्ति : मातृभाषा में ही शिक्षा देते हैं , धार्मिक समूहों को अपने संस्थान चलाने की इजाज़त : अलीगढ़ के मिशनरी स्कूलों को ये आदेश दिए गए हैं कि स्कूल के हिन्दू बच्चों को ईसाई धर्म की शिक्षा :

शीतल पी सिंह

नई दिल्ली :मेरी पोती दिल्ली के एक स्कूल में पढ़ती है जिसे क्रिश्चियन मिशनरी चलाते हैं । क्रिसमस-अवकाश के दौरान वहां क्रिसमस-उत्सव की तैयारियाँ चल रही थीं। एक भजनों की डायरी उसके हाथ में थमा दी गयी। पता चला कि उसके स्कूल के हर बच्चे के पास है जिसमें यीशु मसीह की वन्दना करते भजन हैं । अगर वह “शिशु मंदिर”में पढ़ती होती तो दूसरे क़िस्म के भजन गा रही होती और किसी मदरसे में पढ़ रही होती तो तीसरे क़िस्म के!

सवाल यह है कि शिक्षा संस्थानों में बच्चों को ज़बरन धर्म की घुट्टी पिलाने वाले किसी भी करतब की अनुमति एक धर्म निरपेक्ष देश में क्यों होनी चाहिये ?

शीतल की इस वाल पर इस पोस्ट होते ही विचारों का तांता लग गया। किसी ने लिखा कि इजराइल और जापान ,न केवल शिक्षा में एकरूपता है, बल्कि अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा देते हैं। एक का कहना था कि धार्मिक समूहों को अपने संस्थान चलाने की इजाज़त है जहाँ वे अपनी श्रद्धा के हिसाब से भजन गवाते हैं। उधर एक ने बताया कि अलीगढ़ के मिशनरी स्कूलों को ये आदेश दिए गए हैं कि स्कूल के हिन्दू बच्चों को ईसाई धर्म की शिक्षा न दें। जबकि एक अन्य का कहना था कि जबरदस्ती धर्म-ईश्वर का अफीम चटा रहे हैं बच्चों को। अधिकांश गार्जियन इससे बड़े खुश हो जाते हैं।

आइये देखिये कि बाकी लोगों का इस पोस्ट पर क्या-क्या कहना है: -

Gaurav Singh Rathore नही होनी चाहिए .. सहमत सर ।।

Vikas Tailor Feeding religion via education is the root cause of making it legalized! It should be ended

Prabhat Kumar जो सेंसस कराया था उसके भी आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए।

1 / 4

Written by शीतल पी सहि
Thursday, 21 June 2018 14:02

शखिा अपराजति इसीलिए हम कॉमन स्कूल सस्टिम की मांग करते हैं

Pinto CP Ignatius Government school zindabad

शखिा अपराजति Government school भी कॉमन , केन्द्रीय वद्यिालय , नवोदय , नेतरहाट , जलिा स्कूल , वरीय स्कूल , इतने सारे संस्तर का कोई मतलब नहीं , जब सब नागरकि समान हैं

Deepak Singh sahi kaha aapne

Pankaj Srivastava धार्मकि समूहों को अपने संस्थान चलाने की इजाज़त है जहाँ वे अपनी श्रद्धा के हसिाब से भजन गवाते हैं...सरकारी स्कूलों में सब प्रार्थना□ँ हदिू धर्म की चलती हैं...बेहतर हो कि प्रार्थनाओं का रविाज ही बंद हो...या फरि सभी धर्मों की जानकारी दी जा□ और बच्चे आगे चलकर अपना धर्म खुद चुनें...नास्तकिता के तर्कों से भी परचिति कराया जा□...पर इन बातों का कोई अर्थ नहीं..अभी सबके लि□ ब्लैकबोर्ड भी नहीं है...

Raj Kumar सखिा□ँ, लेकनि अन्य धर्म के पर्व-त्योहार पर भी उसी जोश, उत्साह से सखिा□ँ, ताकि बच्चे धर्म के साथ संस्कृति को जान सकें□

Ratan Pandit भाई आपकी लस्टि में कोई भक्त तो नहीं???

Ahmad Kamal Siddiqui स्कूल के फार्म पर धर्म वाला कालम ही नहीं होना चाहि□,,,,

Manika Mohini शाम टी वी में कुछ ऐसी ही खबर आ रही थी कि अलीग□ के मशिनरी स्कूलों को ये आदेश दि□ ग□ हैं कि स्कूल के हनि्दू बच्चों को ईसाई धर्म की शक्षिा न दें□

Kapilesh Prasad ऐसी अनुमति बलि्कुल नहीं होनी चाहि□□

Santosh Kr. Pandey Prashn ye Hai ki aap bitiya ko Christian school me kyo bhejte haiN jabki naam see aap Hindu haiN ? Isi me aapke prashn ka uttar Hai. Bakiya siddhant tou upar Kai

Written by शीतल पी सहि
Thursday, 21 June 2018 14:02

logoN ne thela Hai lekin wahan se koi raah na niklegi aur na hi milegi.

Sheetal P Singh दलि्ली में स्कूल चुनना कसिी के हाथ में नहीं □ स्कूल में दाख़लिा मलिना □ क असाधारण प्रतयोिगिता है □ नेबरहुड मेरटि में उसे यह स्कूल मलिा था !

SO U R Abh गर वो शशि मंदरि में पढ़ती तो 'वंदे सदा वत्सले मातृभूमि' पढ़ती जसिमे मातृभूमि की आराधना है. क्या गलत पढ़ती. आज प्राइवेट व मशिनरी स्कूल की भारी भरकम फीस के मुकाबले शशि मंदरि की सस्ती फीस मे उच्च गुणवत्ता की पढ़ाई मलि जाती हैं.बटियिा को वहीं भेज दीजाि□ . शशि मंदरि वाले ना जात देखते हैं ना धर्म. याद है ना आसाम का मुस्लमि धर्मावलंबी छात्र जोकि शशि मंदरि में पढ़ता था इंडयिा टॉपर था.

Vijay Kumar बलि्कुल नहीं होनी चाहि□ □ आज मेरी बेटी ने बताया कि उसके स्कूल (CMS) में आज कोई बाबाजी आये थे और उन्होंने सभी बच्चों को गीता प□ाई है□ ये स्कूल, जहां हमलोग अपने बच्चों को शक्षिा पाने को भेजते हैं, जबरदस्ती धर्म-ईश्वर का अफीम चटा रहे हैं बच्चों को□ अधकिांश गार्जयिन इससे ब□ खुश भी होंगे, की चलो कम-से-कम स्कूल ने महान सनातन संस्कृति का ख्याल तो रखा..

Avanish Mishra Cms m gandi ji roj gita padate lkin sir sb jagh prob hai ap prob jan k bhi wahi bhejenge padne k lie

Shamim Ansari kisi ke liye ye choot nhi honi chahiye .....it should be private

Imraan Imran मै भी जसि कैथोलकि्स स्कूल में प□ा हू वहां की डायरी के पहले दस पंद्रह पन्नो पे यीशु के गुणगान करते भजन लखिे होते थे जनि्हे हम सब असेम्ब्ली में रोज गाते थे

अच्छी बातें ही लखिी होती थी उनमे तो कभी कसिी ने ऐतरा□ भी नहीं कयिा.! पर ये □र □ूरी ची□ बंद कर देनी चाहयिे स्कूलों में ..!

Saurav Sharma सब फर्ज़ी हैं ये

Parveen Abbasi मुझे नही लगता मशिनरी स्कूलों से अच्छी training कहीं होती हे

Written by शीतल पी सिंह
Thursday, 21 June 2018 14:02

Sheetal P Singh विषय पर रहें □

Prakash Govind सवाल ये है कि स्कूल के माहौल में/पाठ्यक्रम में वंदना हो ही क्यों ?? ये बच्चे तो स्वयम में भगवान की प्रतिमूर्ति हैं

Gati Upadhyay Maaf kijiyega sir Kya ap missonry likhte waqt smjh nhi paye ki missionary ka primary mission Kya h secondary mission educate krna... Siksha agr dharm se nhi judegi... To mass education impossible h... Is bat ka Rona rone ka Kya mtlb h kuch smjh nhi pa rhi hu.. Apki bato se pahli bar asahmat hu

Suvesh Verma शिक्षा ही □ क्ति के सूत्र में बाँधती है□ लेकिन भारत ही शायद विश्व का □ कमात्र देश होगा,जहाँ शिक्षा की ही □ क्ति नही है और मनमानी शिक्षा दी जा रही है□ इजराइल और जापान ,न केवल शिक्षा में □ कुशलता है, बल्कि अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा देते हैं,अपनी शिक्षा के बलबूते ही ख□ हैं□